Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ प्रदोष व्रत पूजा विधि ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सामग्री और संध्या की तैयारी ॥

प्रदोष पूजा के लिए वह दिन चुनें जब स्थानीय संध्या समय में त्रयोदशी तिथि हो। अपने शहर का प्रदोष पूजा समय पंचांग से देख लें। घर पर शिवलिंग या शिवजी के चित्र के सामने स्वच्छ और शांत स्थान पर पूजा की जा सकती है।

सामान्य पूजा सामग्री

स्वच्छ जल, बेलपत्र, पुष्प, अक्षत, चंदन, धूप, दीपक, बाती, फल और प्रसाद रखें। घर की परंपरा में दूध से अभिषेक हो तो थोड़ा लें; जलाभिषेक से भी सरल पूजा की जा सकती है। चित्र पर जल न डालें।

संध्या का संकल्प

संध्या में हाथ-मुँह धोकर या स्नान करके साफ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान साफ करें। गणेशजी का स्मरण कर शिव-पार्वती को प्रणाम करें और अपनी क्षमता के अनुसार व्रत तथा संध्या पूजा का संकल्प लें।

पूजा के समय दीपक सुरक्षित जगह रखें। मंदिर में जाएँ तो अभिषेक की अनुमति, सामग्री और दर्शन व्यवस्था संबंधी स्थानीय नियमों का पालन करें।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ शिव-पार्वती पूजन का क्रम ॥

१. जल और बेलपत्र अर्पण

शिवलिंग पर धीरे-धीरे स्वच्छ जल चढ़ाएँ। बेलपत्र, फूल, अक्षत और चंदन अर्पित करें। यदि शिवजी के चित्र की पूजा कर रहे हैं तो सामने जल का पात्र रखकर प्रतीकात्मक अर्पण करें।

२. मंत्र, धूप और दीप

“ॐ नमः शिवाय” का अपनी सुविधा के अनुसार जप करें। धूप-दीप दिखाएँ और फल या प्रसाद चढ़ाएँ। शिव-पार्वती से सबके कल्याण और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। नंदी की प्रतिमा हो तो प्रणाम करें।

३. कथा और आरती

वार के अनुसार प्रदोष कथा पढ़ें या सुनें। शिव आरती करें और प्रसाद बाँटें। जिनके घर में पूजा के बाद व्रत खोलने की रीति है, वे उसी के अनुसार हल्का भोजन लें।

सामग्री उपलब्ध न हो तो जल, दीप और नाम-जप के साथ पूजा करें। पूजा में श्रद्धा और स्वच्छता रखें; अर्पित वस्तुओं का उचित निस्तारण करें।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

HarGharPanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"